सांध्य दैनिक

4PM

माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।
- सम्राट अशोक

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 44 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 16 मार्च, 2024

सिंधु वर्ल्ड नंबर वन यंग से सातवीं... 7 | मोदी की गारंटी पर भारी न पड़... 3 | भाजपा को केवल आप ही कर... 2

अब बीजेपी व मोदी का पूरा हिसाब लेगी जनता

भाजपा के कारनामों के खिलाफ विपक्ष खोलेगा पोल

मोदी सरकार के दस साल की नाकामी को मुद्दा बनाएगी कांग्रेस

» 2024 लोस चुनाव की घोषणा होते ही तैयारी में जुटेंगे सियासी दल

» लगभग 97 करोड़ वोटर करेंगे मतदान, 12 लाख से अधिक मतदान केंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव आयोग आज दोपहर तीन बजे 2024 के लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर देगा। मतदान सात चरण में होने का अनुमान है। लोकसभा चुनाव के साथ आंध्र प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव की तारीखों का भी एलान हो सकता है। घोषणा से पहले सभी सियासी दलों की धड़कने बढ़ गई हैं। सबसे ज्यादा धुकधुकी बीजेपी की बढ़ी हुई है क्योंकि वह सत्ता में है। उसे अब जनता के बीच हिसाब देना है साथ ही उसके काम से लोग संतुष्ट है या असंतुष्ट ये चुनाव परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा।

उधर विपक्ष ने पूरी तरह से कमर कस लिया है वह इसबार चुनावों में राजग को सत्ता से बेदखल करने की पूरी कोशिश में लगा है। बीजेपी की ओर से मोदी, योगी, शाह जैसे नेता प्रचार के लिए उतरेंगे जो इंडिया गठबंधन की ओर से राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, ममता, अखिलेश जैसे दिग्गज चुनावी प्रचार की कमान संभालेंगे। वहीं 2019 के मुकबाले मतदाताओं की संख्या में छह फीसदी से ज्यादा का इजाफा हुआ है। 2019 के लोकसभा चुनाव में 89.6 करोड़ मतदाता थे। पांच साल में मतदाताओं की संख्या में 7.28 करोड़ का इजाफा हुआ है। पुरुष मतदाता 46.5 करोड़ से बढ़कर 49.72 हो गए हैं। यानी पुरुष मतदाताओं की संख्या में 3.22 करोड़ का इजाफा हुआ है।

भाजपा के मुद्दे पर हावी होंगे विपक्ष के दावे

इसबार चुनाव में कई जहां बीजेपी राम मंदिर, विकास,परिवारवाद, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दो से विपक्ष को पूरे चुनाव के दौरान घेरती नजर आएगी। चुनाव से पहले विपक्षी नेताओं के घरों पर छापे में मिली नोटो की गड्डियों का जिक्र खुद प्रधानमंत्री मोदी अपने भाषणों में करते रहे हैं। वहीं, विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि छापे सिर्फ विपक्ष के नेताओं पर पड़ते हैं। जो भ्रष्टाचारी भाजपा में शामिल हो जाता है उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती। चुनाव के दौरान इस तरह के नेताओं के नाम विपक्ष की ओर से भी लगातार लिए जाएंगे। वहीं विपक्ष बेरोजगारी का मुद्दा इस दौरान जमकर उठा सकता है। भर्ती परीक्षाओं में होने वाले पेपर लीक का मुद्दा भी चुनाव के दौरान विपक्ष द्वारा उठाया जाएगा। वहीं राहुल गांधी से लेकर तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव तक विपक्ष के ज्यादातर नेता जातिगत जनगणना के मुद्दे को उठाते रहे हैं। चुनाव के दौरान भी विपक्ष इस मुद्दे पर सत्ताधारी भाजपा को घेरने की कोशिश करेगा। वहीं, भाजपा इस मुद्दे पर लगातार कहती रही है कि देश में केवल चार जातियां होती हैं। ये जातियां गरीब, किसान, महिला और युवा हैं। चुनाव के दौरान भी कुछ इसी तरह के दावे प्रतिदावे किए जाएंगे।

पांच साल में बढ़े सात करोड़ से ज्यादा मतदाता

8 फरवरी को जारी मतदाता सूची के मुताबिक इस चुनाव में 96.88 करोड़ मतदाता हिस्सेदारी करेंगे। इनमें 49.72 करोड़ पुरुष, 47.15 करोड़ महिला और 48 हजार से ज्यादा अन्य मतदाता हैं। मतदाताओं का लिंगानुपात 948 है, यानीहजार पुरुष मतदाताओं पर 948 महिला मतदाता हैं। कुल आबादी में मतदाताओं का प्रतिशत 66.76 प्रतिशत है।

शत प्रतिशत वीवीपीएटी की गिनती होः खरगे

बेंगलुरु लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मांग की कि मतो की गिनती के दौरान सभी वोटर वेरिफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) की गिनती की जानी चाहिए।वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हालिया बयान के बारे में एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि लोग मांग कर रहे है कि आगामी चुनाव ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) की जगह मतपत्रों का उपयोग करके कराया जाए। हम शुरू से यह मांग कर रहे है... आप शत प्रतिशत वीवीपीएटी की गिनती करें, यही हमारी मांग है। आप सिर्फ कुछ वीवीपीएटी की गिनती कर रहे है। हम मांग कर रहे है कि सभी वीवीपीएटी की गिनती की जानी चाहिए। यह जानना बहुत आसान होगा।

के. कविता राउज रेवेन्यू कोर्ट में पेश

» बहन कविता की गिरफ्तारी पर ईडी अफसरों से भिड़े भाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में बीआरएस की नेता के. कविता को हैदराबाद में उनके परिसरों पर छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया है। आज उन्हें राउज रेवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। बीआरएस नेता ने कहा किया उनकी गिरफ्तारी अवैध है, उन्होंने कहा कि वह अदालत में इसके खिलाफ लड़ेंगी और उन्हे पूरी उम्मीद है कि एक दिन सत्य जीतेगा। वहीं ईडी ने दावा किया है कि कविता उस साउथ ग्रुप का हिस्सा हैं, जिसने अब खत्म हो चुकी शराब उत्पाद शुल्क नीति के तहत शराब लाइसेंस के लिए दिल्ली की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को रिश्वत दी थी।

ग्रुप पर 100 करोड़ रुपये की रिश्वत देने का आरोप है। ईडी का दावा है कि इस पैसे का इस्तेमाल आप ने चुनाव अभियानों के लिए किया था। उनसे पहले समीर,सरथ, बिनॉय व अन्य पकड़े गए हैं।

केटी रामा राव और ईडी अधिकारियों के बीच बहस

केटी रामा राव और ईडी अधिकारियों के बीच इस दौरान जमकर बहस हुई, इस केटी रामा राव ने इस पूरी प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन बताया और चेतावनी देते हुए कहा कि आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं, जिस पर एजेंसी के अधिकारी जवाब देते हैं, आपके पास कानूनी उपाय हैं। वीडियो के.कविता के हैदराबाद स्थित घर के अंदर का है। रामा राव वीडियो में दावा करते हुए नजर आ रहे हैं कि एजेंसी के अधिकारियों के पास कविता को दिल्ली ले जाने के लिए आवश्यक ट्रांजिट वारंट नहीं था। केटीआर ने ईडी के अधिकारियों से पूछा कि मैडम भानु प्रिया मीना कहती हैं कि तलाशी पूरी हो गई है (और) गिरफ्तारी वारंट जारी हो गया है।

केजरीवाल को कोर्ट से राहत, मिली जमानत

» 15 हजार के मुचलके पर छूटे, गिरफ्तारी की तलवार हटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को रॉउज एवेन्यू कोर्ट ने बड़ी राहत दे दी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर लटक रही गिरफ्तारी की तलवार अब हट गई है क्योंकि राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें राहत देती है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली के कोर्ट में पेश हुए थे जहां मात्र 15 हजार रुपये के मुचलके पर उन्हें जमानत दे दी गई है। इसके साथ ही राउज एवेन्यू कोर्ट ने दोनों पक्षों को संबंधित दस्तावेज पेश करने के लिए कहा है।

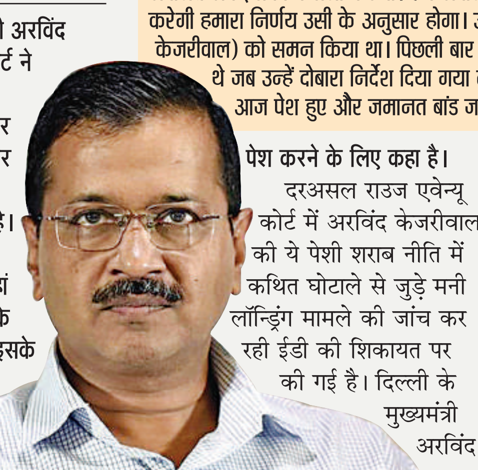

दरअसल राउज एवेन्यू कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की ये पेशी शराब नीति में कथित घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही ईडी की शिकायत पर की गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आबकारी नीति मामले में ईडी के समन पर पेश न होने को लेकर उनके खिलाफ दर्ज जांच एजेंसी के दो मामलों के संबंध में अदालत के समक्ष पेश हुए। अदालत ने ईडी के समन पर पेश न होने को लेकर जांच एजेंसी द्वारा दर्ज दो मामलों में केजरीवाल को जमानत दी। अदालत ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अदालत कक्ष से जाने की अनुमति दी, ईडी द्वारा दर्ज दो मुकदमों में सुनवाई जारी रहेगी।

ईडी के समन कानून के अनुसार नहीं : वकील

अरविंद केजरीवाल की पेशी के बाद आप पार्टी के कानूनी प्रमुख संजीव नासियार ने कहा कि ईडी के समन के संबंध में हमारा रुख स्पष्ट है कि वे कानून के अनुसार नहीं हैं और अवैध हैं। अदालत अब इसका फैसला करेगी। हमें अदालत पर पूरा भरोसा है। अदालत जो भी फैसला करेगी हमारा निर्णय उसी के अनुसार होगा। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने सीएम (अरविंद केजरीवाल) को समन किया था। पिछली बार वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इसमें शामिल हुए थे जब उन्हें दोबारा निर्देश दिया गया तो उन्होंने कहा कि वह सशरीर उपस्थित होंगे। वह आज पेश हुए और जमानत बांड जमा किया। जमानत मंजूर हो गई।

भाजपा को केवल आप ही कर सकती है साफ : केजरीवाल

» गुजरात में प्रचार अभियान का किया आगाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वडोदरा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर गुजरात में आम आदमी पार्टी (आप) के प्रचार अभियान का आगाज करते हुए कहा कि केवल उनकी पार्टी ही सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को देश से खत्म कर सकती है। केजरीवाल ने लोगों से उनकी पार्टी को गुजरात में दो लोकसभा सीट पर चुनाव जीताने में मदद करने का भी आग्रह किया ताकि उनके सामने आने वाले मुद्दों को संसद में उठाया जा सके।

विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दल के रूप में आप गुजरात की 26 लोकसभा सीट में से केवल दो सीट पर चुनाव लड़ रही है, जबकि बाकी की 24 लोकसभा सीट पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी। आम आदमी पार्टी भरूच और भावनगर सीट से चुनाव लड़ रही है। केजरीवाल ने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, वर्ष 2022 के चुनाव से पहले हर कोई कह रहा था कि गुजरात में दो-दलीय प्रणाली है और कोई भी तीसरी पार्टी यहां कभी सफल नहीं होगी। लेकिन हमें पिछले विधानसभा चुनाव में हमें 14 प्रतिशत वोट मिले और हमने उस मिथक को तोड़ दिया। आप के संयोजक ने कहा, हमने शेर के मुंह से 14 फीसदी वोट छीन लिए। गुजरात भाजपा का गढ़ है और यहां इतनी अधिक संख्या में वोट पाना एक अच्छी सफलता है...मुझे लगता है कि अगर कोई ऐसी पार्टी है जो भाजपा को हरा सकती है और इसे देश से खत्म कर सकती है, तो वह आप है। और यह एक दिन होगा।

गुजरात के लोगों ने हमें राष्ट्रीय पार्टी बनाया

उन्होने कहा कि गुजरात के लोगों ने आप को 14 फीसदी वोट दिए और इसे राष्ट्रीय पार्टी बना दिया। उन्होंने कहा, पिछले दो लोकसभा चुनाव मे आपलोगो ने सभी 26 लोकसभा सीट पर भाजपा को जिताया, लेकिन उन्होंने पिछले 10 वर्षो मे आपके लिए कोई काम नही किया। मै आपलोगो से आम आदमी पार्टी को दो सीट देने का आग्रह करता हू और हम लोकसभा मे आपके सभी सवाल उठाएंगे और आपकी समस्याओ का समाधान करेंगे। भाजपा द्वारा चुने गए सांसद आपके किसी भी मुद्दे को संसद मे नही उठा पा रहे है। उन्होंने गुजरात मे आप के दोनो उम्मीदवारो (भरूच से चैतर वसावा और भावनगर से उमेश मक्वाना) को समर्पित पार्टी कार्यकर्ता बताया। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, चैतर एक हीरो है क्योंकि उन्हे भाजपा सरकार ने एक महीने के लिए जेल मे डाल दिया था, लेकिन इतना दबाव के बावजूद उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी मे शामिल होने के आमंत्रण को स्वीकार नही किया। उन्होंने कहा कि चैतर की पत्नी को भी सलाखो के पीछे डाल दिया गया था।

अखिलेश के फैसले पर चंद्रशेखर आजाद भड़के

» नगीना सीट से मनोज को प्रत्याशी बनाने पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने चंद्रशेखर आजाद को झटका देते हुए नगीना सीट से मनोज कुमार को सपा का प्रत्याशी बना दिया है। जिस पर चंद्रशेखर आजाद की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने साफ संकेत दिए हैं कि वो इस सीट से चुनाव लड़ेंगे, भले ही वो अकेले मैदान में उतरें। उन्होंने एक्स पर लिखा,जो कमजोर होते है वही किस्मत का रोना रोते है.. जिन्हें उगना होता है वो पत्थर का सीना चीर कर भी उगते है।

उनके इस बयान से कयास लगने शुरू हो गए हैं कि चंद्रशेखर आजाद नगीना से चुनाव लड़ेंगे। भले ही उन्हें अकेले ही चुनाव क्यों न लड़ना पड़े। चंद्रशेखर आजाद ने 15 मार्च को नगीना में एक बड़ी रैली कर अपनी ताकत भी दिखाने की कोशिश की, जहां उनके समर्थन में बड़ी संख्या में लोग उनकी सभा में पहुंचे थे। इसके साथ ही अब आजाद समाज पार्टी ने यहां अपना चुनावी अभियान भी तेज कर दिया है। गौरतलब हो कि चंद्रशेखर ने 2022 में हुए मैनपुरी, रामपुर और खतौली उपचुनाव में सपा गठबंधन के साथ चुनाव प्रचार किया था, जिसके बाद उनके इंडिया गठबंधन में शामिल होने की चर्चा भी की जा रही थी। लेकिन बात बिगड़ गई। चंद्रशेखर लोस चुनाव में सपा-कांग्रेस के खिलाफ मैदान में आ गए हैं। पिछले दिनों उन्होंने दावा किया था कि वो नगीना से चुनाव जरूर लड़ेंगे चाहें उन्हें कोई सपोर्ट करे या न करे।

उचित सम्मान नहीं मिला तो राजग छोड़ दूंगा : पारस

» हाजीपुर से ही लडूंगा चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) प्रमुख और केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने कहा कि वह हाजीपुर सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे। भाजपा पर उनकी पार्टी के साथ न्याय नहीं करने का आरोप लगाते हुए पारस ने संकेत दिया कि वह सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से बाहर निकल सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी कहीं भी जाने के स्वतंत्र हैं और उनके दरवाजे खुले हुए हैं। वह बिहार में राजग उम्मीदवारों की आधिकारिक घोषणा का इंतजार करेंगे और उसके बाद भावी कदम के संबंध में कोई निर्णय लेंगे।

भाजपा के साथ पारस ने अपनी निराशा का इजहार ऐसे समय में किया है, जब केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी ने हाजीपुर सहित बिहार में कई लोकसभा सीटों पर उनके दावे को नजरअंदाज करते हुए उनके भतीजे चिराग पासवान के साथ सीटों के बंटवारे का समझौता किया, जो लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के एक अन्य धड़े का नेतृत्व करते हैं। पारस ने कहा कि वह हाजीपुर से चुनाव लड़ेंगे, जो उनके और पासवान के बीच विवाद का कारण रहा है। चिराग ने इससे पहले संकेत दिया था कि उनकी पार्टी इस सीट से चुनाव लड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा था कि भाजपा ने उनकी सभी चिंताओं का समाधान कर दिया है।

जनता परेशान, भाजपा भर रही तिजोरी

» अखिलेश ने कसा तंज- मोदी ने बोला था कि न खाऊंगा न खाने दूंगा लेकिन ये नहीं कहा था कि डकारुंगा नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इलेक्शन बॉन्ड को लेकर चुनाव आयोग द्वारा दी गई जानकारी पर कहा कि जनता की महंगाई और भ्रष्टाचार से जेब ढीली हो रही है और इलेक्शन बॉन्ड से भाजपा के खजाने भर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा ने बोला था कि न खाऊंगा न खाने दूंगा लेकिन ये नहीं कहा था कि डकारुंगा नहीं। उन्होंने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों की समस्याओं का समाधान तभी होगा जब केंद्र से भाजपा जैसी खाऊ पार्टी हटेगी।

प्राइवेट कंपनियों का सारा लाभ भाजपा इलेक्टोरल बॉन्ड से ले रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि राजनीतिक दबाव के कारण ही व्यापारी मुनाफाखोरी के लिए दाम बढ़ाते हैं और जनता महंगाई से परेशान होती है। भाजपा के लोग कारोबारियों, ठेकेदारों और दुकानदारों से सबसे ज्यादा पैसा वसूलते हैं क्योंकि वो कहते हैं कि इलेक्टोरल बांड का पैसा तो पार्टी के खाते में चला जाता है।उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार की भाजपाई गारंटी है। ये जनता के शोषण की भाजपाई गारंटी है। ये युवाओं के भविष्य को मारने की भाजपाई गारंटी है। इलेक्टोरल बांड अर्थव्यवस्था और बैंकिंग सिस्टम को भ्रष्ट बनाने की भाजपाई गारंटी है।

सपा ने की उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी, भदोही सीट ममता की पार्टी के लिए छोड़ी

सपा ने लोस चुनाव को लेकर उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी कर दी है। सूची में भदोही सीट ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के लिए छोड़ी है। इससे पहले सपा 31 नामों का एलान कर चुकी थी, चौथी सूची के बाद से अब यह संख्या 37 हो गई है। हालांकि यह संख्या वास्तविकता में 35 है, क्योंकि इंडिया गठबंधन होने के बाद वाराणसी सीट कांग्रेस के खाते में चली गई है तो पार्टी को वहां से अपना उम्मीदवार हटाना होगा। इसके अलावा संभल से सांसद रहे शफीकुर्रहमान बर्क का निधन हो गया है। पार्टी ने उनके निधन से पहले उनके नाम का एलान कर दिया था तो ऐसे में अब वहां भी उम्मीदवार की घोषणा करनी होगी। यह देखना रोचक होगा कि बर्क की जगह पर सपा किसके नाम पर मुहर लगाती है। समाजवादी पार्टी ने इन छह उम्मीदवारों को दिया टिकट- बजनौर (6) - यशवीर सिंह, मेरठ (10) - भानु प्रताप सिंह (एडवोकेट), नगीना (5) - मनोज कुमार ,लालगंज (68) - दरोगा सरोज ,अलीगढ़ (15) - बिजेंद्र सिंहहाथरस (16) - जसवीर बाल्मिक।

सारे नैतिक मूल्यों को त्याग चुकी है बीजेपी : सुक्खू

» बोले- किसी तरह सत्ता में आना चाहती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य सरकार को गिराने के लिए धन बल के बूते साजिश रचने का आरोप लगाया और कहा कि वह कांग्रेस विधायकों की खरीद-फरोख्त करने के प्रयास में जुटी है। शिमला के रामपुर तहसील के सराहन में जनसभा को संबोधित करते हुए सुक्खू ने कहा, धन बल और अन्य रणनीति के आधार पर मौजूदा कांग्रेस सरकारों के खिलाफ साजिश रचना भाजपा का घटिया तरीका रहा है।

मुख्यमंत्री ने रामपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए 165 करोड़ रुपए की लगभग 25 विकास परियोजनाओं की घोषणा करने के बाद यह टिप्पणी की। सुक्खू ने कहा, कौन लोग बागी विधायकों को उकसा रहे थे और उनके राज्य से बाहर रहने का वित्तपोषण कर रहे थे? राज्य के लोग अच्छी तरह से जानते हैं कि भाजपा ने अपने सभी नैतिक मूल्यों को त्याग दिया है और किसी भी तरह से सत्ता में आने के लिए अधीर है।

मोदी की गारंटी पर भारी न पड़ जाए राहुल का ऐलान

कांग्रेस ने किया पांच नारी न्याय गारंटी की घोषणा

महिलाओं को एक लाख रुपये, नौकरियों में आधी हिस्सेदारी

» भाजपा घोषणाओं से परेशान, शुरू किए राहुल पर हमले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। किसी भी प्रकार से कांग्रेस इसबार के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को बाहर करने की कोशिश में जुट गई। इसलिए लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने बड़ी घोषणा की है। कांग्रेस ने नारी न्याय गारंटी का एलान कर दिया है। कांग्रेस का कहना है कि केंद्र में सरकार बनने के बाद इन गारंटियों को लागू किया जाएगा। इन गारंटियों के तहत महिलाओं के लिए योजनाएं लागू की जाएंगी। इनमें गरीब महिलाओं को हर साल एक लाख रुपये देने की भी योजना है।

सियासी हलके में यह चर्चा है कि अगर कांग्रेस ने अपनी बातों को मजबूती के साथ जन-जन तक पहुंचा दिया तो उसकी गारंटी मोदी के गारंटी पर भारी पड़ सकती है। और अगर ऐसा हो गया तो 24 के चुनाव में राजग को 4 के चुनाव जैसा हाल हो सकता है। तबकि अटल सरकार भारत उदय के चमक में ऐसी खोई कि उस समय के लोक सभा चुनाव में वो दस साल तक अंधेरे में चली गई और उसका अंधेरा 2014 में आकर छंटा। हालांकि कागजों में बीजेपी व एनडीए मजबूत है पर जनता को मिजाज को भांपना इतना असान नहीं है। ये तो चुनावों के परिणाम ही तय करेंगे कि ऊंट किस करवट बैठता है।

महिलाओं व युवाओं के लिए कांग्रेस खोलेगी पिटारा

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस बड़े-बड़े एलान कर रही है। युवाओं के लिए रोजगार की घोषणा के बाद कांग्रेस ने अब महिलाओं के लिए एलान किया है। कांग्रेस ने बुधवार को नारी न्याय गारंटी देने का दावा किया है। कांग्रेस ने कहा कि केंद्र में सरकार बनने पर वो ये गारंटी देगी।

महालक्ष्मी गारंटी: कांग्रेस का दावा है कि महालक्ष्मी गारंटी के तहत देश की सभी गरीब परिवार की एक महिला को सालाना 1 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी।

आधी आबादी-पूरा हक: इसके तहत केंद्र सरकार की नयी नियुक्तियों में आधा हक महिलाओं को मिलेगा।

शक्ति का सम्मान: इस योजना के तहत आंगनवाड़ी, स॥ और मिड डे मिल कार्यकर्ताओं के मासिक वेतन में केंद्र सरकार का योगदान दोगुना होगा।

अधिकार मैत्री: इस गारंटी के तहत हर पंचायत में एक अधिकार मैत्री को तैनात किया जाएगा। इनका काम महिलाओं को उनके हकों के लिए जागरूक करना और उनको कानूनी सहायता दिलाना होगा।

सावित्री बाई फूले हॉस्टल: देशभर में सभी जिला मुख्यालयों में कम से कम एक कामकाजी महिलाओं का हॉस्टल बनाया जाएगा। फिर इनकी संख्या दोगुनी की जाएगी।

केरल और पंजाब में कांग्रेस सबसे आगे

एक तरफ जहां यूपी और बिहार में इंडिया अलायंस को बड़ा झटका लगता दिखाई दे रहा है तो वहीं पंजाब और केरल में उसके लिए राहत की खबर है। सर्वे के अनुसार पंजाब में एनडीए 3 सीटों पर जीत हासिल कर सकता है, जबकि 8 सीटें इंडिया गठबंधन के खाते में जाएंगे। वहीं, 2 सीट अन्य जीत सकते हैं। इसी तरह केरल की 20 सीट में से इंडिया अलायंस 18 सीट जीतता नजर आ रहा है। वहीं, एनडीए के खाते में 2 सीट आ सकती हैं।

युवाओं के लिए पांच गारंटी

कांग्रेस ने इससे पहले युवाओं के लिए पांच गारंटी की घोषणा की थी। इसमें 30 लाख सरकारी नौकरी, प्रशिक्षुओं को 1 लाख रुपए (8,500/माह), पेपर लीक से मुक्ति, गिग इकोनॉमी में सामाजिक सुरक्षा और युवाओं के बिजनेस के लिए 5,000 करोड़ रुपये का एक कोष बनाने का एलान किया है।

दक्षिण में कांग्रेस को भाजपा पर मिलेगी बढ़त

कल चुनाव आयोग लोकसभा चुनावों की तारीख की घोषणा कर सकता है। उससे पहले ही सभी दल अपनी-अपनी तैयारियों में लग गए हैं। वहीं जहां सत्तारूढ़ बीजेपी भी चुनाव के लिए अपनी तैयारी कर रही है। लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने एनडीए के लिए 400 सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। वहीं, दूसरी ओर विपक्षी दलों का लक्ष्य हर हाल में बीजेपी के विजय रथ को रोकना है। बीजेपी की जीत पर ब्रेक लगाने के लिए विपक्षी दलों ने इंडिया अलायंस बनाया है। यह अलायंस बिहार, यूपी, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों में एनडीए का मुकाबला करेगा। हालांकि, चुनाव से पहले ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में गठबंधन से अलग चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। इस सबके बीच अलग माध्यमों से पोलिंग सर्वे भी जारी हो रहें है। हालांकि ये सर्वे परिणाम में बदलेंगे ये कहना जल्दबाजी होगा। सर्वे में जो सबसे बड़ी बात सामने आ रही है उसमें दक्षिण भारत में बीजेपी को इंडिया गठबंधन पीछे धकेलता नजर आ रहा है तो उत्तर भारत में उसे एनडीए से टक्कर लेने में काफी मशक्कत करन पड़ेगी।

बिहार और यूपी में बीजेपी को मिलेगा लाभ

एक मेगा पोल में बीजेपी यूपी और बिहार में क्लीन स्वीप करती नजर आ रही है, जबकि इंडिया अलायंस केरल और पंजाब में बाजी मारती दिखाई दे रही है। सर्वे के मुताबिक बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए 40 सीट वाले बिहार में 38 सीटों पर जीत हासिल कर सकती है। यहां इंडिया गठबंधन को 2 सीटे मिल सकती हैं। सर्वे के अनुसार सबसे ज्यादा सीट वाले उत्तर प्रदेश में एनडीए को 77 और इंडिया अलायंस को 2 सीट मिलती दिखाई दे रही हैं, जबकि 1 सीट अन्य के खाते में जा सकती है। वहीं सर्वे के अनुसार बीजेपी दिल्ली में भी क्लीन स्वीप करेगी। यहां भगवा पार्टी की सभी सात सीटें जीतने की संभावना है, कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन की दिल्ली में एक भी सीट जीतने की उम्मीद नहीं है।

खरगे गुलबर्गा में सुधारेंगे गलती

वहीं अपनी सीट गुलबर्गा को लेकर भी उन्होंने कहा कि इलाके के लोग अपनी गलती सुधारने के लिए उत्सुक हैं। इन चुनावों में वो कांग्रेस पार्टी को ही जीत दिलवाएंगे। गौरतलब है कि वर्ष 2019 में गुलबर्गा सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने वाले मल्लिकार्जुन खरगे हार गए थे। इस सीट से भाजपा की उमेश यादव ने 95,452 वोटो के अंदर से जीत दर्ज की थी। मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए हार बेहद चौंकाने वाली थी क्योंकि राजनीतिक करियर में उनकी यह पहली चुनावी हार थी। हालांकि इस बार यह संभावना जताई जा रही है कि मल्लिकार्जुन खड़गे लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए मैदान में नहीं उतरेंगे। कांग्रेस पार्टी उनकी जगह उनके दामाद राधाकृष्ण डोड्डामणि को चुनाव मैदान में उतर सकती है और उन पर किस्मत आ सकती है।

तमिलनाडु में विपक्ष पर जमकर बरसे मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर दक्षिण भारत के दौरे पर हैं। पीएम मोदी और भाजपा का फोकस दक्षिण की करीब 129 लोकसभा सीटों पर है। इस कड़ी में पीएम मोदी तमिलनाडु पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज कन्याकुमारी से देश के इस दक्षिणी छोर से जो लहर उठी है ये लहर बहुत दूर तक जाने वाली है। पीएम मोदी ने कहा, आज कन्याकुमारी से देश के इस दक्षिणी छोर से जो लहर उठी है ये लहर बहुत दूर तक जाने वाली है। मैं 1991 में एकता यात्रा लेकर कन्याकुमारी से कश्मीर गया था, इस बार मैं कश्मीर से कन्याकुमारी आया हूं। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने देश को तोड़ने का सपना देखने वालों को नकार दिया है। अब तमिलनाडु के लोग भी ऐसा ही करने जा रहे हैं। मैं तमिलनाडु की धरती पर बहुत बड़े परिवर्तन की आहट देख रहा हूं। तमिलनाडु में भाजपा का प्रदर्शन इस बार डीएमके और कांग्रेस के इंडिया गठबंधन का सारा घमंड तोड़ कर रख देगा। पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, हमने ऑप्टिकल फाइबर और 5जी दिया, हमारे नाम पर डिजिटल इंडिया स्कीम है। इंडी अलायंस के नाम पर लाखों करोड़ रुपए का 2जी का स्कैम है और डीएमके उस लूट की सबसे बड़ी हिस्सेदार थी। हमारे नाम पर उड़ान स्कीम है, इंडी अलायंस के नाम हेलीकॉप्टर स्कैम है। उन्होंने कहा, डीएमके और कांग्रेस तब भी चुप बैठी रही, जब जल्लीकट्टू पर पाबंदी लगी थी। ये लोग तमिल संस्कृति को नष्ट करना चाहते हैं। ये हमारी सरकार है, जिसने जल्लीकट्टू को पूरे उत्साह के साथ मनाए जाने का रास्ता साफ किया। जब दिल्ली में संसद की नई इमारत बनी तो तमिल संस्कृति के प्रतीक, इस धरती के आशीर्वाद स्वरुप पवित्र सेंगोल को हमने नए भवन में स्थापित किया, लेकिन इन लोगों ने इसका भी बॉयकॉट किया, उन्हें सेंगोल की स्थापना पसंद नहीं आई।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

हादसों पर कब लेगगी लगाम बताए सरकार!

"ज्ञात हो कि एकबार फिर हादसा हो गया। फिर लिपापोती हो जाएगी। एक जांच कमेटी बनेगी रिपोर्ट पेश की जाएगी कुछ लोगों को सजा मिलेगी और मामला खत्म। प्रशासन फिर एक बार अगले हादसे के होने की खबर का इंतजार करने लगेगा। लेकिन ये कब तक ऐसा ही चलता रहेगा। जिम्मेदारों की जिमेदरी कब तय की जाएगी ताकि इस तरह के हादसों में कमी आ सके।"

हादसे होते रहते हैं और कमेटियां बन जाती हैं। फिर कुछ दिन बाद सब भुला दिया जाता है। अभी कुछ दिन पहले एक लड़ाकू विमान हादसे का शिकार हो गया। वह अत्याधुनिक विमान था। हालांकि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ पर फिर भी सरकारों को इस ओर ध्यान देने की जरूरत हैं क्योंकि ऐसी घनाएं कई बार हो चुकी हैं। ज्ञात हो कि एकबार फिर हादसा हो गया। फिर लिपापोती हो जाएगी। एक जांच कमेटी बनेगी रिपोर्ट पेश की जाएगी कुछ लोगों को सजा मिलेगी और मामला खत्म। प्रशासन फिर एक बार अगले हादसे के होने की खबर का इंतजार करने लगेगा। लेकिन ये कब तक ऐसा ही चलता रहेगा। जिम्मेदारों की जिमेदरी कब तय की जाएगी ताकि इस तरह के हादसों में कमी आ सके। इससे पहले मध्य प्रदेश, यूपी, दिल्ली, बिहार व कई अन्य प्रदेशों में आग लगने की घटनाएं बहुत खबरों में आई जिसमें कई लोंगों की जान भी गई । यहीं नहीं आए दिन सड़क दुर्घटनाओं की खबरें आतीं रहती हैं पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

वही पिछले साल मध्यप्रदेश के इंदौर में रामनवमी पर एक बड़ा हादसा हो गया। शहर के पटेल नगर इलाके में श्री बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में बावड़ी की छत धंसने से वहां मौजूद 50 से अधिक लोग बावड़ी में गिर गए। घटना में 36 लोगों की मौत हो गई। सीएम शिवराज घायलों का हाल जानने स्थानीय एप्पल अस्पताल पहुंचे व घटना की मजिस्ट्रियल जांच होगी। गुरुवार दोपहर 12 बजे रामनवमी पर शहर के पटेल नगर में श्री बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में सुबह से हवन हो रहा था। इसके बाद मंदिर में कन्या पूजन के दौरान बावड़ी की छत धंस गई, जिससे वहां मौजूद 50 से अधिक लोग उसमें गिर गए। ये सभी बावड़ी की छत पर बैठे हुए थे। इसमें बच्चे, महिलाएं और पुरुष भी शामिल थे। इससे पहले उत्तर प्रदेश में वृंदावन के विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में भगदड़ मचने से दो भक्तों की मौत हो गई। इससे कुछ दिन पहले राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर में चंद रोज पहले हुई तीन महिला श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत को देश भूला भी नहीं पाया था। इससे पहले भी कुंभ मेले से लेकर कई धार्मिक आयोजनों में ऐसे हादसे हुए जिसमें जान-माल का नुकसान हुआ। पर हमने उससे सबक नहीं लिया। बताया जाता है किसी भी देव स्थान पर किसी भी प्रकार के हादसे का कारण अधिकतर रूप से भगदड़ ही रहा है। माता वैष्णो देवी भवन के मार्ग पर बड़ा धमाका हुआ था जिसके चलते भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में 5 लोगों के झुलसने का समाचार आया था। इससे पहले माता वैष्णो देवी भवन के पास कालिका कांप्लेक्स स्थित काउंटिंग रूम में शार्ट सर्किट से आग लग गई थी सात मर गए थे। अब नीति नियंताओं को चेतने की जरूरत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

क्षमताओं को मिले संभावनाओं का खुला आकाश

दीपिका अरोड़ा

शिक्षा को मानव जीवन का अपरिहार्य अंग माना गया है। ज्ञान प्राप्ति की सहज प्रक्रिया कदाचित तनाव बनकर जीवन पर हावी होने लगे तो विषय विचारणीय हो जाता है। विगत कुछ वर्षों के दौरान भारतीय छात्रों में अवसाद तथा आत्मघात के मामलों की संख्या में चिंताजनक वृद्धि देखी गई। किसी प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान में सीट सुरक्षित करने की होड़, नौकरियों की अपर्याप्तता आदि जहां इसमें संभावित कारण आंके गए, वहीं पारिवारिक अपेक्षाएं एवं शैक्षणिक संस्थानों का बोझिल वातावरण भी प्रमुख कारणों में शामिल रहे। कोचिंग संस्थानों में ऐसी घटनाएं घटना मानो एक आम बात बन चुकी है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने में अग्रणी राजस्थान के कोटा की ही बात लें; वर्ष 2023 के दौरान 26 छात्रों द्वारा आत्महत्या करने को लेकर बहुचर्चित रहे इस शहर में, प्रशासनिक चेतावनी के बावजूद समस्या का समाधान संभव नहीं हो पाया।

जनवरी से लेकर अब तक घटित हो चुके चार आत्महत्या प्रकरणों में, दुर्भाग्यवश, 5वां मामला भी जुड़ गया। हाल ही में, एक 16 वर्षीय किशोर ने प्रतियोगी परीक्षा पास न कर पाने संबंधी असमर्थता जताते हुए अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। 'पापा! मेरे से जेईई नहीं हो पाएगा। क्षमा कीजिएगा, मैं जा रहा हूं', घटना में बरामद सुसाइड नोट में अंकित ये शब्द व्यवस्थात्मक आधार पर एवं बतौर अभिभावक हमें बहुत कुछ सोचने पर बाध्य करते हैं। देखा जाए तो कार्यक्षेत्रीय परिधि में अपेक्षाकृत विस्तार होने के बावजूद पूर्वाग्रह ग्रसित भारतीय समाज में आज भी इंजीनियरिंग, चिकित्सा, सिविल सेवा जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्रों में स्थापित होना गौरव का विषय माना जाता है। कई बार तो बच्चे की रुचि अथवा प्रतिभा का आकलन किए बिना ही अभिभावक इन्हीं क्षेत्रों में दाखिला लेने संबंधी निर्णय जबरन इसलिए थोप देते हैं क्योंकि बेहतर जीवनशैली के साथ उन्हें यहां उच्च आय की लाभकारी संभावनाएं नजर आती हैं। हालांकि, इस सोच के पीछे एक अन्य कारण देश में फैली बेरोजगारी भी है।

बदलते परीक्षा पैटर्न के साथ, आवेदकों की संख्या भी अनवरत बढ़ने के कारण एक अच्छे संस्थान में प्रवेश पाना कठिन होता जा रहा है। इसी स्थिति

को सफलता की गारंटी के रूप में भुनाते हैं कोचिंग संस्थान। वास्तविकता तो यह है, प्रतिस्पर्धात्मक माहौल होने के कारण ये संस्थान बहुधा शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर ही विशेष ध्यान देते हैं। औसत छात्रों को संस्थानों से समायोजन करने में खासी समस्याएं पेश आती हैं। मानसिक उथल-पुथल के साथ अनेक कठिनाइयों से जूझ रहे इन छात्रों को अक्सर नजरअंदाज किए जाने से उनमें हीन भावना पनपने लगती है, जिसका सीधा असर उनकी शैक्षणिक क्षमता पर पड़ता है। गहराते तनाव के मध्य प्रेरणा व सकारात्मक संवाद की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसमें संस्थात्मक सहयोग के साथ अभिभावकों की व्यक्तिगत सहभागिता अनिवार्य हो जाती है। ऐसा न हो पाने की स्थिति में तनाव आत्मघाती रूप धारण कर सकता है।

इसी संदर्भ में चिंता प्रकट करते हुए, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने कोचिंग सेंटर विनियमन, 2024 के अंतर्गत नए दिशा-निर्देश जारी किए। प्रस्तावित दिशा-निर्देशों में कोचिंग संस्थानों को भ्रामक वादों अथवा रैंक की गारंटी न देने, कोचिंग संस्थान में 16 वर्ष से कम आयुवर्ग के छात्रों को नामांकित नहीं करने आदि सहित छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता उपलब्ध कराने की बात भी कही गई। माता-पिता विभिन्न परिस्थितियों पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं, बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है। मानसिक तनाव से उबारने का एक अन्य शक्तिशाली उपकरण है संस्थागत विशेषज्ञों द्वारा संचालित कार्यशाला, जो छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम के साथ समस्या समाधान, संघर्ष, भावनात्मक बुद्धि तथा तनाव प्रबन्धन के एकीकरण के साथ समस्याओं की पहचान, प्रबंधन तथा समाधान में सहायक बनती है। शिक्षण केंद्रों में इनका आयोजन नियमित व अनिवार्य होना चाहिए।

हितैषी होने के नाते बच्चे के स्वर्णिम भविष्य की कामना करना अनुचित नहीं है लेकिन किसी भी क्षेत्र में दाखिला दिलाने से पूर्व बच्चे की प्रतिभा का सही आकलन करना एवं उसकी रुचि-राय जानना अत्यावश्यक है। उपलब्ध करियर विकल्पों के बारे में जागरूकता की कमी अथवा पूर्वाग्रहों के चलते किसी विशिष्ट संस्थान में दाखिला लेने को ही योग्यता का प्रमाण मानना या अपनी अधूरी इच्छाओं को बच्चों के माध्यम से पूरी करने की आकांक्षा में किसी विकल्प की गुंजाइश ही न छोड़ना, बच्चे को खुलकर अपनी समस्याएं साझा करने का अवसर ही नहीं देते और भीतर की यह घुटन एक दिन हृदयविदारक समाचार के रूप में हमारे सम्मुख उजागर होती है। छात्रों को उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सहायक व सकारात्मक वातावरण बनाना महत्वपूर्ण है।

सुधामूर्ति सादगी और सेवा की प्रतिमूर्ति

अरुण नैथानी

लेखिका, व्यवसायी और समाजसेवी सुधामूर्ति के जीवन के इतने आयाम हैं कि उनके व्यक्तित्व का सीधा विवरण देना मुश्किल हो जाता है। वे गाहे-बगाहे अपनी साफगोई व सुस्पष्ट विचारों के लिए सुर्खियों में रहती हैं। उनकी हालिया चर्चा सेवा-सृजन आदि क्षेत्रों में योगदान हेतु राज्यसभा के सदस्य के रूप में मनोनीत होने के लिए हो रही है। कभी-कभी किसी पद पर योग्य व्यक्ति की नियुक्ति उस पद को भी गरिमा दे जाती है। कमोबेश सुधा मूर्ति के बारे में ऐसा कहा जा सकता है। समाज में बहुमूल्य योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री व पद्मभूषण का बड़ा नागरिक सम्मान पहले ही दिया जा चुका है। सबसे ज्यादा चर्चा उनकी सादगी को लेकर होती है। ऐसे दौर में जब भारत में नवधनाढ्य रुपयों की खनक में उछलने लगते हैं, सुधा मूर्ति की सादगी प्रेरित करती है। खुद अरबपति होने और पति की अरबों रुपये की संपत्ति के बावजूद उनकी सहजता-सरलता अनुकरणीय है।

भारतीय संस्कृति व संस्कारों की पैरोकार सुधा कहती हैं कि पिछले तीस सालों से उन्होंने कोई नई साड़ी नहीं खरीदी। सादगी का आलम देखिए- जब उन्होंने लंदन में अपनी बेटी-दामाद के घर जाने के लिए प्रवासन अधिकारी को अपने जाने का पता 'दस डाउनिंग स्ट्रीट' प्रधानमंत्री का आवास बताया तो अधिकारी ने कहा कि आप कहीं मजाक तो नहीं कर रही हैं। खुद अरबपति होने के बावजूद सुधामूर्ति आम जीवन में ऐसे ही सादगी से रहती हैं। कॉलेज की पढ़ाई से लेकर सार्वजनिक जीवन में उन्होंने इतना कुछ किया कि वे सदैव पुरस्कारों से नवाजी जाती रहीं। कालेज में गोल्ड मेडल जीतने के सिलसिले से लेकर पद्मश्री और पद्मभूषण तक उनके नाम हैं। वे शिक्षाविद् हैं, लोकप्रिय लेखिका हैं, समाज सेविका हैं। उन्होंने अपने सृजन से वैश्विक ख्याति अर्जित की है। वे इन्फोसिस फाउंडेशन की चेयरमैन रही हैं। वे कभी अपने सॉफ्टवेयर अरबपति पति एन. आर. नारायणमूर्ति, कभी वेंचर कैपिटलिस्ट बेटी अक्षता मूर्ति, कभी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक तो कभी अपने बयानों की वजह से सुर्खियां बटोरती रही हैं।

टीवी व सोशल मीडिया पर उनके बयान चाव से पढ़े जाते हैं। पिछले दिनों उनके शाकाहार पर दिये बयानों को लेकर सोशल मीडिया पर खूब गर्मागर्मी रही। उन्होंने कहा था कि जब वे विदेश जाती हैं तो पहले शाकाहारी होटल-रेस्टोरेंट ढूंढ़ती हैं। खासकर वे चम्मच का विशेष ध्यान रखती हैं कि कहीं वो तामसिक खाद्य पदार्थ के लिए उपयोग नहीं किया गया हो। आलोचना पर वे कहती हैं ये कोई नई बात नहीं है क्योंकि उनसे पहले पीढ़ी के लोग भी इसी तरह बाहर खाने को लेकर सतर्क रहते थे। सुधामूर्ति तब भी मजबूती से अपने पति एन. आर. नारायणमूर्ति के पक्ष में खड़ी नजर आईं जब उनके युवाओं को हर सप्ताह सत्तर अस्सी घंटे काम करने वाले बयान की आलोचना हुई थी। कर्नाटक में 19 अगस्त, 1950 को एक संस्कारी ब्राह्मण परिवार में जन्मी सुधा के पिता आर.एच. कुलकर्णी एक डॉक्टर व मां विमला अध्यापिका थीं।

प्रारंभिक पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने अपनी व्यावसायिक शिक्षा कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग से की। उन्होंने कालांतर में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस से कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री की। तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उनकी प्रतिभा का सम्मान करते हुए उन्हें स्वर्ण पदक दिया था। उस समय गिनी-चुनी लड़कियां ही ये आधुनिक विषय चुनती थीं। इसी तरह टाटा इंजीनियरिंग एंड लोकोमोटिव कंपनी में वे पहली महिला इंजीनियर के रूप में नियुक्त हुईं। लोग उन्हें अचरज से देखते थे कि क्या कोई महिला भी इंजीनियर हो सकती है। सुधामूर्ति एक बहुचर्चित साहित्यकार भी हैं। कन्नड़ और अंग्रेजी साहित्य में उनकी खास पहचान है। उनकी संवेदनशील रचनाओं के चलते उन्हें खासी लोकप्रियता मिली। उन्हें कन्नड़ का लेडी प्रेमचंद की संज्ञा भी दी गई। वे कई उपन्यास, प्रेरक लेखन, तकनीकी पुस्तकें व यात्रा वृत्तांत लिख चुकी हैं। वहीं उनका बाल साहित्य भी खासा लोकप्रिय हुआ है। दुनिया की कई भाषाओं में उनकी पुस्तकें अनुवादित भी हुई हैं। बेहद संपन्न परिवार का हिस्सा होने के बावजूद सुधामूर्ति के दिल में समाज के वंचित, उपेक्षित व पीड़ित वर्ग के लिए गहरी संवेदना रही है। उनकी विशिष्ट पहचान समाज कल्याण के कार्यों को लेकर भी रही है। इन्फोसिस फाउंडेशन की चेयरमैन के रूप में उन्होंने समाज के लिए ठोस काम किये। इसके अंतर्गत हेल्थकेयर, स्वच्छता, गरीबी मुक्ति के अभियान भी शामिल हैं। उनके प्रयासों से हजारों बाढ़ पीड़ितों के लिए घर बनने संभव हो सके। कई स्कूलों में पुस्तकालय बनवाए। स्वच्छता अभियान के तहत सैकड़ों सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण किये गए। इसी कड़ी में हार्वर्ड विश्वविद्यालय में बनी विशिष्ट लाइब्रेरी भी शामिल है।

सबसे महत्वपूर्ण बात है कि वे अपने पति के मिशन में हरदम साथ खड़ी रहीं। उन्होंने उन्हें प्रेरित किया। एक टीवी कार्यक्रम में जिक्र भी किया था कि उन्होंने पति नारायणमूर्ति को इन्फोसिस की स्थापना के लिए वर्ष 1981 में दस हजार रुपये की पूंजी दी थी। फिलहाल नारायणमूर्ति की गिनती हजारों करोड़ वाले अरबपतियों में होती है। सादगी से समाज के कल्याण के लिए निरंतर काम करने वाले इस दंपति की भारत में विशिष्ट छवि है। उनकी विशिष्ट सफलता व सादगी का जीवन करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणास्रोत है। बहरहाल, अपनी साफगोई और सहजता के लिए चर्चित सुधामूर्ति को भारतीय मीडिया से हमेशा सकारात्मक प्रतिसाद मिलता रहा है।

शरीर के लिए सुपरफूड है जौ

जौ को अनाजों का राजा कहा जाता है। जौ खेती किए जाने वाले सबसे पुराने अनाजों में शुमार है। जौ के आटे का सेवन ऋषि मुनियों द्वारा प्राचीन काल में किया जाता रहा है। जौ में कई तरीके के विटामिन और पोषक तत्व पाए जाते हैं। जिसकी वजह से इसको सुपर फूड कहा जाता है। यह कई बीमारियों का खात्मा करने के लिए दवा के तौर पर काम करता है। जौ के दानों और हरे पौधों का पाउडर बना कर प्रयोग करने से हम स्वास्थ्य संबंधित बहुत सी समस्याओं से बच सकते हैं। जौ में पोटेशियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, कार्बोहाइड्रेट, जिंक, ऊर्जा, प्रोटीन, फाइबर, आयरन, विटामिन बी 6, कैल्शियम, वसा और सोडियम अच्छी मात्रा में पाया जाता है। जो कि हमें स्वस्थ रखने में बहुत ही मददगार होता है।

यूरिक एसिड को करता है कम

जौ का नियमित सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है। दिल की बीमारियों को दूर करता है। जौ की रोटी खाने से शरीर में यूरिक एसिड कम होता है। गठिया रोग में भी लाभ मिलता है।

अवसाद और अनिद्रा को करता है दूर

जौ में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट की वजह से यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। जौ अवसाद और अनिद्रा में भी राहत देता है। जौ रक्त को पतला करता है और रक्त के बहाव को बेहतर बनाए रखने के लिए कारगर है। जिससे हृदय रोग से संबंधित बीमारियों से निजात मिलती है। जौ का सेवन करने से शरीर की थकान दूर होती है। शारीरिक कमजोरी को दूर करता है। हड्डियों को भी मजबूती मिलती है और आस्टियोपोरोसिस बीमारी में राहत मिलती है।

पाचन तंत्र को मजबूत कर लिवर को रखता है दुरुस्त

जौ डायबिटीज के रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत कम होता है। जिस कारण यह खून में शर्करा का प्रभाव बहुत धीमी गति से करता है। जौ में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को मजबूत करता है। लिवर को स्वस्थ रखता है। इतना ही नहीं जौ का नियमित सेवन करने से वजन नियंत्रित होता है।

जौ को कैसे करें आहार में शामिल

जौ का बिस्कुट बनाकर, ब्रेड बनाकर, जौ के आटे से रोटी बनाकर, जौ का दलिया बनाकर, जौ का सत्तू बनाकर या फिर जौ का पानी भी पिया जा सकता है। इतना ही नहीं इसके हरे पत्तों का पाउडर बनाकर भी अपने आहार में शामिल कर सकते हैं। जौ को दूसरे अनाजों और दालों के साथ मिलाकर मल्टीग्रेन आटा बनाया जा सकता है और इसे अपने दैनिक आहार में शामिल कर सकते हैं।

हंसना मना है

बच्चा: नल से आते पानी को देखकर बोला, पापा ये पानी कहां से आता है? पापा: बेटा नदी से। बेटा: तो फिर मुझे नदी देखनी है। पापा उसे नदी दिखाने ले जाते हैं। बच्चा पिता को नदी में धक्का मार देता है और मां को घर आकर कहता है। मां जल्दी से नल खोलो, पापा आते होंगे।

ट्रेन में एक महिला बार-बार अपने बच्चे से कह रही थी- बेटा हलवा जल्दी खा ले, नहीं तो साथ वाले अंकल को दे दूंगी। अंकल- बहनजी...जरा जल्दी कीजिए, हलवे के चक्कर में मैं तीन स्टेशन आगे आ गया हूं...

प्रेमिका: डार्लिंग हम कहां जा रहे हैं? प्रेमी: बेबी, लॉन्ग ड्राइव पर... प्रेमिका: अरे, पहले क्यों नहीं बताया? प्रेमी: डार्लिंग, मुझे भी अभी-अभी पता चला, जब ब्रेक फेल हो गए...

महिला: बाबा, मेरे और मेरे पति के बीच प्रेम कम हो गया है। कोई उपाय बताओ बाबा- बेटा, शनिवार को फेसबुक और रविवार को वाट्सअप का उपवास रखो, पहले जैसा प्रेम आ जाएगा...

बॉयफ्रेंड अपनी गर्लफ्रेंड से: आओ तुम्हें चांद पर ले जाऊं। गर्लफ्रेंड: अरे नहीं यार..... ब्वॉयफ्रेंड: लेकिन क्यों? लड़की: क्योंकि वहां वाट्सअप नहीं चलता है।

कहानी | मित्र-द्रोह का फल

दो मित्र धर्मबुद्धि और पापबुद्धि हिम्मत नगर में रहते थे। एक बार पापबुद्धि के मन में एक विचार आया कि क्यों न मैं मित्र धर्मबुद्धि के साथ दूसरे देश जाकर धनोपार्जन करूं। बाद में किसी न किसी युक्ति से उसका सारा धन ठग-हड़प कर सुख-चैन से पूरी जिंदगी जीऊँगा। इसी नियति से पापबुद्धि ने धर्मबुद्धि को धन और ज्ञान प्राप्त होने का लोभ देते हुए अपने साथ बाहर जाने के लिए राजी कर लिया।शुभ-मुहूर्त देखकर दोनों मित्र एक अन्य शहर के लिए रवाना हुए। जाते समय अपने साथ बहुत सा माल लेकर गये तथा मुँह माँगे दामों पर बेचकर खूब धनोपार्जन किया। अंततः प्रसन्न मन से गाँव की तरफ लौट गये। गाँव के निकट पहुँचने पर पापबुद्धि ने धर्मबुद्धि को कहा कि मेरे विचार से गाँव में एक साथ सारा धन ले जाना उचित नहीं है। कुछ लोगों को हमसे ईष्या होने लगेगी, तो कुछ लोग कर्ज के रुप में पैसा माँगने लगेंगे। संभव है कि कोई चोर ही इसे चुरा ले। मेरे विचार से कुछ धन हमें जंगल में ही किसी सुरक्षित स्थान पर गाढ़ देनी चाहिए। अन्यथा सारा धन देखकर सन्यासी व महात्माओं का मन भी डोल जाता है। सीधे-साधे धर्मबुद्धि ने पुनः पापबुद्धि के विचार में अपनी सहमति जताई। कहीं किसी सुरक्षित स्थान पर दोनों ने गड्ढ़ खोदकर अपना धन दबा दिया तथा घर की ओर प्रस्थान कर गये। बाद में मौका देखकर एक रात कुबुद्धि ने वहाँ गड़े सारे धन को चुपके से निकालकर हथिया लिया। कुछ दिनों के बाद धर्मबुद्धि ने पापबुद्धि से कहा- भाई मुझे कुछ धन की आवश्यकता है। अतः आप मेरे साथ चलिए। पापबुद्धि तैयार हो गया। जब उसने धन निकालने के लिए गड्ढ़े को खोदा, तो वहाँ कुछ भी नहीं मिला। पापबुद्धि ने तुरंत रोने-चिल्लाने का अभिनय किया। उसने धर्मबुद्धि पर धन निकाल लेने का इल्जाम लगा दिया। दोनों लड़ने-झगड़ते न्यायाधीश के पास पहुँचे। न्यायाधीश के सम्मुख दोनों ने अपना-अपना पक्ष प्रस्तुत किया। न्यायाधीश ने सत्य का पता लगाने के लिए दिव्य-परीक्षा का आदेश दिया। दोनों को बारी-बारी से अपने हाथ जलती हुई आग में डालने थे। पापबुद्धि ने इसका विरोध किया उसने कहा कि वन देवता गवाही देंगे। न्यायधीश ने यह मान लिया। पापबुद्धि ने अपने बाप को एक सूखे हुए पेड़ के खोखले में बैठा दिया। न्यायधीश ने पूछा तो आवाज आई कि चोरी धर्मबुद्धि ने की है। तभी धर्मबुद्धि ने पेड़ के नीचे आग लगा दी। पेड़ जलने लगा और उसके साथ ही पापबुद्धि का बाप भी, वो बुरी तरह रोने-चिल्लाने लगा। थोड़ी देर में पापबुद्धि का पिता आग से झुलसा हुआ उस वृक्ष की जड़ में से निकला। उसने वनदेवता की साक्षी का सच्चा भेद प्रकट कर दिया। न्यायाधीश ने पापबुद्धि को मौत की सजा दी और धर्मबुद्धि को उसका पूरा धन दिलवाया ।

सीख: मनुष्य का यह धर्म है कि वह उपाय की चिन्ता के साथ अपाय की भी चिन्ता करे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज का दिन आपके लिए सामान्य रूप से लाभ एवं उन्नति प्रदायक रहेगा। आज अधिक सकारात्मक समय रहेगा। किसी भी प्रकार से अपने धैर्य को बनाए रखें।

वृषभ आज का दिन अधिक शुभ एवं उन्नति दायक रहेगा। आप अपने पराक्रम से कार्य क्षेत्र में उन्नति प्राप्त करने में सफल होंगे। विदेश से कोई सूचना आदि प्राप्त होगी।

मिथुन आज अकारण माता-पिता से मतभेद हो सकते हैं। भूमि भवन के क्रय विक्रय में संबंधी बाधाएं आएंगी। कार्य क्षेत्र में सुख सुविधा में कमी आ सकती है।

कर्क बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत लोगों को पदोन्नति मिलेगी। आपको मनचाहा कार्य करने को मिलेगा। उद्योग धंधे की योजना अमल में आएगी। जो भी कहें। सोच समझकर कहें।

सिंह किसी विपरीत लिंग साथी के साथ पर्यटक स्थल की सैर करेंगे। परिवार में भोग विलास की वस्तुएं खरीद कर लाएंगे। परिवार में कठिन परिश्रम के अनुपात में कम धन लाभ होने से मन खिन्न रहेगा।

कन्या आज कार्य क्षेत्र में दिखा मिल सकता है। व्यापार में कोई ऐसी घटना घट सकती हैं जैसे भविष्य में बड़ा लाभ होगा। नौकरी में नौकर जाकर का सुख मिलेगा।

तुला आज शासन सत्ता से जुड़े मामले में सफलता मिलेगी। नौकरी में पदोन्नति के योग बनेंगे। रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को रोजगार मिलेगा।

वृश्चिक आज दिन सामान्य सुख एवं लाभकारी दिन रहेगा। बनते बनते कार्य में अड़चन आएंगे। सामाजिक मान प्रतिष्ठा के प्रति सजग रहने की आवश्यकता रहेगी।

धनु आज का दिन आपके लिए मिश्रित फलदायक फलकारक रहेगा। कार्य क्षेत्र में संघर्ष अधिक हो सकता है। व्यापारिक परेशानियां आपके अनुकूल रहेंगी।

मकर आज का दिन आपके लिए सामान्य सुख लाभदायक रहेगा। बनते-बनते कार्य में अर्चन आएंगे। सामाजिक मान प्रतिष्ठा के प्रति सजक रहने की आवश्यकता रहेगी। क्रोध से बचें।

कुम्भ आज व्यापार में आपका कोई जोखिमपूर्ण कार्य संपन्न हो सकता है। जिससे व्यापार में उन्नति के साथ लाभ होगा। नौकरी में पदोन्नति के योग बनेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी।

मीन आज अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को अधिक समय तक न बढ़ने दे। उनका शीघ्र समाधान करने का प्रयास करें। अपनी निजी स्थिति को ध्यान में रखकर महत्वपूर्ण कार्य में कोई बड़ा निर्णय न लें।

फिल्मों से ही नहीं, बिजनेस से भी मोटा पैसा कमाती हैं आलिया

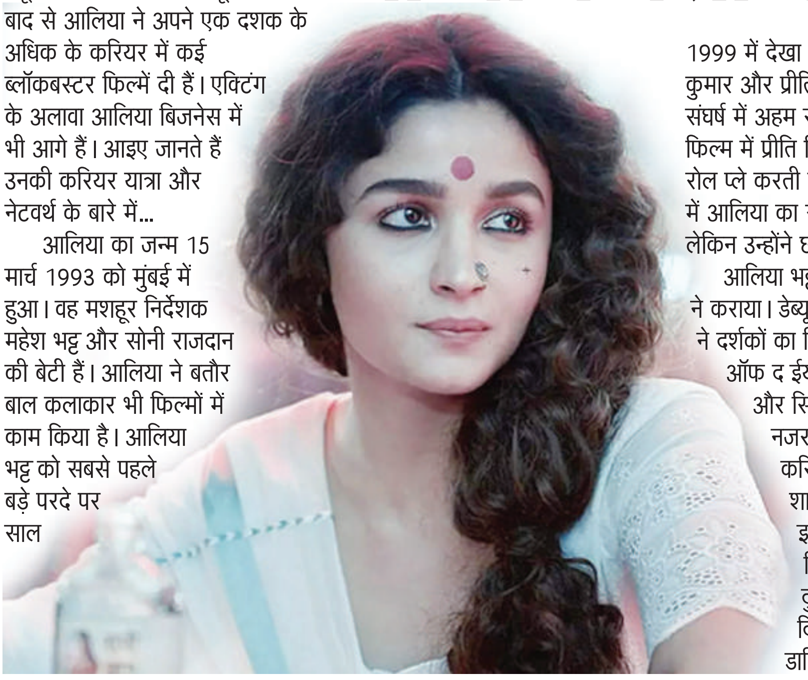

आलिया बॉलीवुड की चर्चित अदाकाराओं में शुमार हैं। फिल्मी पृष्ठभूमि से होने के चलते आलिया के अंदर अभिनय प्रतिभा कूट-कूटकर भरी है। साल 2012 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर से डेब्यू करने के बाद से आलिया ने अपने एक दशक के अधिक के करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। एक्टिंग के अलावा आलिया बिजनेस में भी आगे हैं। आइए जानते हैं उनकी करियर यात्रा और नेटवर्थ के बारे में...

आलिया का जन्म 15 मार्च 1993 को मुंबई में हुआ। वह मशहूर निर्देशक महेश भट्ट और सोनी राजदान की बेटी हैं। आलिया ने बतौर बाल कलाकार भी फिल्मों में काम किया है। आलिया भट्ट को सबसे पहले बड़े परदे पर साल 1999 में देखा गया था। उन्होंने अक्षय कुमार और प्रीति जिंटा की फिल्म संघर्ष में अहम रोल निभाया था। वह फिल्म में प्रीति जिंटा का बचपन वाला रोल प्ले करती दिखी थीं। उस फिल्म में आलिया का रोल छोटा जरूर था, लेकिन उन्होंने छाप छोड़ी थी।

आलिया भट्ट का डेब्यू करण जौहर ने कराया। डेब्यू फिल्म से ही आलिया ने दर्शकों का दिल जीत लिया। स्टूडेंट ऑफ द ईयर में वह वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आई थीं। अपने करियर में उन्होंने कई शानदार फिल्में की हैं। इनमें हाइवे, डियर जिंदगी, बद्रीनाथ की दुल्हनिया, गलीबॉय, ऐ दिल है मुश्किल, राजी, डार्लिंग्स, गंगूबाई काठियावाड़ी, ब्रह्मास्त्र और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं। हर फिल्म के साथ आलिया के अभिनय में निखार आया है।

फोर्ब्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, आलिया भट्ट की नेटवर्थ 299 करोड़ रुपये करीब है। आलिया किसी भी फिल्म को करने के लिए करीब 20 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं। वहीं वह विज्ञापन के लिए करीब 1-2 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं। वह इंडस्ट्री में दूसरी सबसे अधिक कमाई वाली बॉलीवुड अभिनेत्री हैं। आलिया के बिजनेस वुमन बनने की शुरुआत स्टाइल क्रैकर से हुई। आलिया भट्ट ने मां और बच्चों को ध्यान में रखकर Ed-a-Mamma की शुरुआत की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया अगरबत्ती और धूप बनाने वाली एक कंपनी में भी निवेश करती हैं।

लव सेक्स और धोखा 2 से बालीवुड में इंट्री करेंगी उर्फी

सोशल मीडिया सनसनी उर्फी जावेद अपने फैशन सेंस की वजह से तो हर दिन सुर्खियों में रहती ही हैं। ऐसे में उनकी एक लंबी फैन फॉलोइंग भी जमा हो गई है। हालांकि, अपने ड्रेसिंग स्टाइल के कारण ही वह लगातार ट्रोलर्स के निशाने पर भी रही हैं। इसी बीच अब उर्फी अपने नए प्रोजेक्ट की वजह से चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, हाल ही में खबर आई है कि एक्ट्रेस अब बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं।

बताया जा रहा है कि उर्फी को अपकमिंग फिल्म लव सेक्स और धोखा 2 में देखा जाने वाला है। यह उनकी बड़े पर्दे पर शुरुआत होगी। फिल्म वर्तमान पीढ़ी की कहानी पर आधारित है, जो सोशल मीडिया के युग में प्यार में पड़ने वालों पर बात करती है। लव सेक्स और धोखा 2 रिश्तों की जटिलताओं के बारे में है और एक ऐसी दुनिया में आधुनिक प्रेम के छिपे हुए पहलुओं पर प्रकाश डालती है, जहां इंटरनेट एक आवश्यकता है।

2010 में रिलीज हुई फिल्म लव सेक्स और धोखा की कहानी को अब इसका दूसरा पार्ट आगे लेकर जाएगा। यह फिल्म दर्शकों को गहन अनुभव देने का वादा करती है। माना जा रहा है कि फिल्म की कहानी दिलचस्प होने के साथ इसमें कलाकारों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिलेगा। कहानी में दर्शकों को प्रेम और विश्वासघात के अलावा सोशल मीडिया की सच्चाई के बारे में पता चलेगा। 2010 में स्लीपर हिट लव सेक्स और धोखा दिबाकर बनर्जी की पहली 2 फिल्में खोसला का घोसला और ओए लकी लकी ओए के राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद उनकी तीसरी निर्देशित फिल्म थी। इससे पहले यह बात सामने आई थी कि तुषार कपूर और मौनी रॉय एलएसडी 2 में कैमियो भूमिका निभाते नजर आएंगे, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि लव सेक्स और धोखा 2 एकता कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित है। इसे 19 अप्रैल, 2024 को रिलीज किया जाएगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे लिए परिवार से बढ़कर कुछ नहीं : शाहरुख खान

शाहरुख खान बॉलीवुड में सिर्फ एक अच्छे अभिनेता ही नहीं बल्कि एक बेस्ट पति और पिता के रूप में भी मशहूर हैं। चाहे वे कहीं भी रहें परिवार के लिए अपना वक्त निकाल ही लेते हैं। हाल ही में उन्हें बेस्ट एक्टर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया और उन्होंने अपने पुरस्कार को अपने बच्चों को समर्पित किया। वहीं पिछले दिनों शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान भी अभिनेता के साथ अपने रिश्तों के बारे में बातें करती नजर आईं। शाहरुख खान और गौरी खान बॉलीवुड में पॉवर-कपल के रूप में मशहूर हैं। शादी के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी दोनों की केमेस्ट्री लाजवाब है। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान गौरी खान ने कहा, सच कहूं तो शाहरुख जैसा पति या पिता होना बहुत ही मुश्किल है। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे शाहरुख जैसा पति मिला है। उनके लिए आज भी परिवार से बढ़कर कुछ भी नहीं है। साल 2023 में एक से बढ़कर एक हिट फिल्म देने वाले शाहरुख फैमिली-मैन के रूप में मशहूर हैं। जहां इंडस्ट्री में लोग अपनी पहचान बनाने के लिए कभी-कभी अपनी पत्नी और गर्लफ्रेंड तक को छोड़ देते हैं। वहीं, शाहरुख ने इस बात को दुनिया से कभी नहीं छिपाया। आज से कई साल पहले जब वे इतने बड़े स्टार नहीं थे तब उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान पूरी दुनिया के सामने बता दिया था कि उनकी एक गर्लफ्रेंड है जिससे वे बेहद प्यार करते हैं। शाहरुख खान ने कभी भी दुनिया से अपनी निजी जिंदगी को नहीं छिपाया है। वे सारी दुनिया के सामने गौरी के लिए अपना प्यार जाहिर करने से नहीं हिचकते हैं। इन दिनों शाहरुख का एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है जिसमें वे कहते हैं, कोई भी एक्टर अगर काम पाने के लिए अपनी पत्नी या गर्लफ्रेंड को छोड़ रहा है तो मेरी नजर में इससे ज्यादा गलत कुछ भी नहीं हो सकता है। आपको कोई हक नहीं बनता है किसी को चोट पहुंचाने पहुंचाने का। आप कैसे किसी का दिल दुखा कर आगे बढ़ सकते हैं।

गंजेड़ी चूहों का कारनामा, पहुंचे पुलिस स्टेशन, गांजे के चक्कर में चबा गए सबूत, अधिकारी हैरान!

दुनिया में ऐसी-ऐसी घटनाएं होती हैं, जिनके बारे में सुनकर कई बार यकीन नहीं होता है हम एक बार में मान ही नहीं पाते हैं कि ये सच है। मसलन अगर आपसे कोई कहे कि इंसानों की तरह जानवर भी नशा करते हैं और नशे में उनसे भी ऊल-जुलूल हरकतें होती हैं, तो शायद आपको ये मज़ाक लगेगा। हालांकि ऐसा ही है, इंसानों की तरह जानवर भी नशे में धुत होते हैं।

चूहों को आपने खाने-पीने की चीज़ें खाते हुए देखा होगा, अच्छे भले कागज़ को रद्दी बना देते हुए देखा होगा लेकिन शायद ही आपने कभी चूहे को नशा करते हुए देखा हो। चलिए आज आपको कहानी सुनाते हैं गंजेड़ी चूहों की, जो इस वक्त सुर्खियों में छाए हुए हैं। उन्होंने खुद तो गांजा का नशा कर लिया, पुलिस के लिए भी मुश्किल पैदा कर दी।

अमेरिका के लुसियाना पुलिस स्टेशन में अलग ही कारनामा हो गया। यहां कुछ चूहों ने आकर गांजा खाया और ऐसे मस्त हो गए कि बिल्डिंग में घूम-घूमकर सबूत खा डाले। ये घटना न्यू ओरलींस का है। यहां के लुसियाना पुलिस स्टेशन के पुराने और सीलन भरे होने के नाते यहां चूहे और कॉकरोचों ने डेरा जमा रखा है। दिलचस्प वाक्या तब हुआ, जब मासूम चूहों ने यहां आकर पुलिस के पकड़े हुए गांजे को खा लिया। उन पर नशा चढ़ते ही उन्होंने बिना सोचे-समझे जो भी चीज़ दिखी, चबाना शुरू कर दिया। नतीजा ये हुआ कि उन्होंने अलग-अलग केसेज़ के लिए रखे हुए सबूत तक खा डाले। इस घटना पर पुलिस अधिकारी एनी किर्क पैट्रिक ने कहा कि चूहे भांग-गांजा खाकर नशे में हैं। अब ये पता किया जा रहा है कि चूहों को गांजा कहां से मिला और कैसे उन्हें ये लत लगी। गंदगी और सीलन की वजह से चूहे और कॉकरोच पुलिस स्टेशन में आ रहे हैं। ऐसे में अब स्टेशन को दूसरी जगह शिफ्ट करने पर फैसला लिया जा रहा है ताकि आगे की योजना बनाई जा सके और ऐसी घटनाएं कम से कम हों।

अजब-गजब | जुओं से है मनुष्य का 1.2 मिलियन वर्ष पुराना रिश्ता

इंसानों ने कपड़े पहनने कब शुरू किए?

हम सब जानते हैं कि इंसान वानर जैसे पूर्वजों से विकसित हुए। पेड़ों पर रहा करते थे। फिर नीचे उतरे और सीधे चलना शुरू किया। उनके शरीर पर वानरों की तरह बहुत सारे बाल हुआ करते थे। लेकिन एक वक्त ऐसा आया जब उनके शरीर के सारे बाल गिर गए। फिर उन्हें सुरक्षा के लिए कपड़ों की जरूरत पड़ी। उन्होंने पत्ते लपेटे। लताओं से शरीर ढंका। लेकिन क्या आपको पता है कि इंसानों ने कपड़े पहनना कब शुरू किया? वैज्ञानिकों ने इसका जवाब ढूंढ निकाला है।

लाइव साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक, जीव विज्ञानियों ने इसके बारे में कुछ साक्ष्य इकट्ठा किए हैं, जो हमें बताते हैं कि इंसान पहले पत्थर, हड्डी और अन्य कठोर सामग्रियों से बने 'कपड़े' पहना करते थे। ये काफी टिकाऊ होती थीं और शरीर से सरकती नहीं थीं। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के जीवविज्ञानी डेविड रीड ने बताया कि इंसानों के कपड़े पहनने का जुओं से सीधा संबंध है। पहले जुएं इंसानों के शरीर पर बालों में छिपे रहते थे। पूरे शरीर पर घूमते रहते थे। लेकिन जब बाल गिरने लगे तो वे भी खत्म हो गए। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि लगभग 1.2 मिलियन वर्ष पहले इंसानों के शरीर से बाल गिरे और जुएं खत्म हो गए। फिर एक अन्य प्रकार की जूं उत्पन्न हुई जो इंसानों के कपड़ों में रह सकती थी। वे दिन में सिर्फ एक बार भोजन करती थीं।

रीड के मुताबिक, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इंसानों ने लगभग 1.70 लाख साल पहले हिमयुग के आखिरी चरणों में शायद साधारण कपड़े पहनना शुरू कर दिया था। लेकिन जर्मनी में ट्यूबिंगन विश्वविद्यालय की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ साक्ष्य ये भी बताते हैं कि होमिनिन्स इससे बहुत पहले कपड़े पहनते थे। वे लगभग 300,000 साल पहले गर्म रहने के लिए भालू की खाल पहनते थे। होमिनिन्स हमारे करीबी रिश्तेदार थे, जो विलुप्त हो गए। पता ये भी चला है कि इन खालों की वजह से इंसानों के शरीर पर कट के निशान बन जाया करते थे। पसलियों, खोपड़ी, हाथों और पैरों पर ये निशान देखे जा सकते थे। बाद में इन्हीं खालों से वे घर बनाने लगे। चूंकि उस वक्त तापमान औसतन 2 डिग्री सेल्सियस था, इसलिए ये खालें काफी उपयोगी होती थीं।

आज से 32,000 साल पहले तस्मानिया में आदिवासी लोग संभवतः ठंड से बचने के लिए गुफाओं में चले गए। पुरातात्विक रिकॉर्ड से पता चलता है कि इन्हीं गुफाओं में उन्होंने कपड़े बनाए। उस वक्त के खाल-खुरचने वाले उपकरण, सुई की तरह दिखने वाले हथियार भी मिले हैं। इन्हें हड्डी से तैयार किया गया था। लेकिन फिर मौसम गर्म हो गया और उन्होंने कपड़े पहनना बंद कर दिया। 11,700 साल पहले से लेकर आज तक बहुत कुछ बदला। इंसानों ने अपने शरीर को विस्तृत रूप से सजाया। अपने बालों को रंगा। खुद को रंगा।

चुनावी बॉण्ड सबसे बड़ा वसूली गिरोह: राहुल

बोले- एकत्र किए गए धन का इस्तेमाल राजनीतिक दलों को तोड़ने में किया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ठाणे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की ओर से लाई गई गई चुनावी बॉण्ड योजना को दुनिया का सबसे बड़ा एक्सटॉर्शन रैकेट (जबरन वसूली गिरोह) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिमाग की उपज करार दिया। इस योजना को अब रद्द कर दिया गया है। राहुल ने दावा किया कि योजना के माध्यम से एकत्र किए गए धन का इस्तेमाल शिवसेना और राकांपा जैसे राजनीतिक दलों को तोड़ने और सरकारों को गिराने के लिए किया गया था। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर एक दिन पहले ही इस योजना से जुड़े आंकड़े सार्वजनिक किए गए थे।

उन्होंने कहा, कुछ साल पहले, प्रधानमंत्री ने राजनीतिक वित्त प्रणाली को साफ करने के लिए चुनावी बॉण्ड (योजना) तैयार करने का दावा किया था। पता चला कि यह भारत के सबसे बड़े कॉरपोरेट्स से पैसे ऐंठने का तरीका था। इसका उद्देश्य कॉरपोरेट्स को भाजपा को पैसा देने के लिए डराना था...यह दुनिया का सबसे बड़ा जबरन वसूली गिरोह है....मुझे उम्मीद है कि इसकी जांच होगी।

कांग्रेस शासित राज्यों में दिए गए ठेकों और हमें दी गई फंडिंग के बीच कोई संबंध नहीं कुछ कंपनियों द्वारा कांग्रेस को चुनावी बॉण्ड दान करने और पार्टी के शासन वाले राज्यों में अनुबंध प्राप्त करने के बारे में एक प्रश्न पर गांधी ने कहा कि विपक्षी दलों द्वारा संचालित किसी भी सरकार ने राजमार्ग और रक्षा

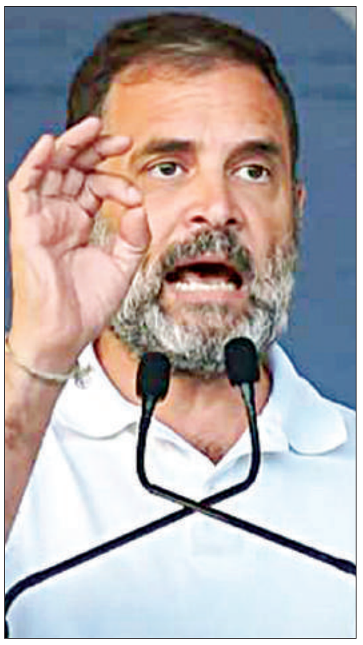

अनुबंध जैसे राष्ट्रीय स्तर पर अनुबंधों को नियंत्रित नहीं किया, न ही उन्होंने आयकर और प्रवर्तन निदेशालय जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों को नियंत्रित किया या लोगों के फोन में पेगासस (निगरानी सॉफ्टवेयर) डाला। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस द्वारा शासित राज्यों में दिए गए ठेकों और हमें दी गई फंडिंग के बीच कोई संबंध नहीं है...यह कॉर्पोरेट भारत से एक आपराधिक जबरन वसूली है, और हर एक कॉर्पोरेट यह जानता है। अनुबंध दिए जाने के महीनों बाद, कंपनियों ने भाजपा को चुनावी बॉण्ड दान किए हैं। सीबीआई, ईडी मामले दर्ज करती है और फिर कॉरपोरेट भाजपा को पैसा देते हैं। गांधी ने कहा, इस योजना का उद्देश्य कॉरपोरेट्स को गुमनाम रूप से धन दान करने की अनुमति देना था। अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के अंतिम चरण में महाराष्ट्र में मौजूद गांधी ने दावा किया, कुछ कंपनियों ने (पहले) कभी भाजपा को पैसा नहीं दिया, लेकिन उनके खिलाफ सीबीआई, ईडी के मामले दर्ज होने के बाद उन्होंने ऐसा किया।

प्रधानमंत्री की शह पर की गई एक बड़ी चोरी

उन्होंने आरोप लगाया, यह प्रधानमंत्री की शह पर की गई एक बड़ी चोरी है। उन्होंने कहा, चुनावी बॉण्ड योजना प्रधानमंत्री के दिमाग की उपज थी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार करने के लिए राष्ट्रीय संस्थानों पर कब्जा कर लिया। उन्होंने आरोप लगाया, विपक्षी सरकारों को गिराने, शिवसेना और राकांपा जैसी पार्टियों को तोड़ने के लिए धन चुनावी बॉण्ड के माध्यम से प्राप्त किया गया था। कांग्रेस नेता ने कहा कि इससे ज्यादा राष्ट्रविरोधी कुछ नहीं हो सकता। ईडी और सीबीआई के भाजपा, आरएसएस की संस्थाएं बन जाने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि एक दिन भाजपा सरकार हटेगी और ऐसी गतिविधियों को दंडित किया जाएगा। यह मेरी गारंटी है कि ऐसी चीजें फिर कभी नहीं होंगी।

चुनावी बॉण्ड बहुत बड़ा घोटाला, जांच के लिए एसआईटी गठित हो : सिब्बल

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने चुनावी बॉण्ड योजना को बहुत बड़ा घोटाला करार दिया और कहा कि इस मामले की जांच के लिए अदालत द्वारा नियुक्त अधिकारियों का एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया जाए। चुनावी बॉण्ड के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में दायर मामले में याचिकाकर्ताओं की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने यहां संवाददाता सम्मेलन में यह आरोप भी लगाया कि यह योजना गैरकानूनी थी और इसका उद्देश्य एक राजनीतिक दल को इस तरह से समृद्ध करना था कि कोई भी अन्य राजनीतिक दल उसका मुकाबला नही कर सके। उनकी यह टिप्पणी निर्वाचन आयोग द्वारा चुनावी बाण्ड के आंकड़े सार्वजनिक किए जाने के एक दिन बाद आई है। सिब्बल ने कहा, इस योजना को पूर्व वित्त मंत्री (अरुण जेटली) ने शुरू किया था और उन्होंने सोचा था कि इस तरह से कोई भी राजनीतिक दल हमसे (भाजपा) मुकाबला नही कर पाएगा। वह सही साबित हुए। जिसके पास पैसा है, वही चुनावी मुकाबले में रह सकता है। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए कि किस राजनीतिक दल को कितना चंदा मिला। सवाल यह है कि बांड किसके पास गए? बांड संख्या का पता लगाया जा सकता है, यह जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया जाए और इसमें अदालत द्वारा नियुक्त स्वतंत्र अधिकारी हों।

राजनीतिक भ्रष्टाचार का बड़ा मामला : माकपा

तिरुवंनतपुरम। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की केरल इकाई के सचिव एम.वी. गोविंदन ने आरोप लगाया कि चुनावी बॉण्ड भारत में सामने आया सबसे बड़ा राजनीतिक भ्रष्टाचार है। माकपा ने आरोप लगाया कि सबसे बड़ी दानदाता सैंटियागो मार्टिन भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गई है, जो विभिन्न जांच का सामना कर रही है। गोविंदन ने कहा कि चुनावी बॉण्ड के माध्यम से भाजपा और कुछ अन्य दलो ने कई हजार करोड़ रुपए एकत्र किए है। उन्होंने कहा, आधे से ज्यादा बॉण्ड भाजपा को मिले है। एसबीआई द्वारा दिए गए ब्योरे के मुताबिक, अकेले भाजपा को 6060.51 करोड़ रुपए मिले है। माकपा नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार देश मे भ्रष्टाचार फैलाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, चुनावी बॉण्ड के माध्यम से एकत्र किए गए धन का उपयोग भाजपा द्वारा विधायकों को खरीदने, सरकारों को अस्थिर करने के लिए किया गया।

'जिन पर ईडी की छापेमारी हुई थी उन्होंने दिया बीजेपी को चंदा'

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग द्वारा चुनावी बॉण्ड के आंकड़े जारी किए जाने के एक दिन बाद आम आदमी पार्टी ने भाजपा को इन बॉण्ड के माध्यम से प्राप्त कुल रकम का विवरण सार्वजनिक करने की चुनौती दी। आप ने भाजपा पर अपराध से अर्जित आय प्राप्त करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी को उन कंपनियों से धन मिला, जिनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने छापेमारी की थी। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने पूछा कि क्या भाजपा उन कंपनियों से धन लेने की बात स्वीकार करेगी, जिनके खिलाफ धन शोधन के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कार्रवाई की गई थी। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी को चुनावी बॉण्ड के रूप में 6,000 करोड़ रुपए से अधिक मिले, जो किसी भी अन्य पार्टी की तुलना में सबसे बड़ा हिस्सा है। भाजपा यह क्यों नही बता रही कि उन्हें कितना पैसा मिला है।

बच्चों ने कराटे में बेल्ट टेस्ट की परीक्षा में पाई सफलता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वार्ड मॉडर्न सोतोकान कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया के तहत बच्चों ने कराटे में बेल्ट टेस्ट की परीक्षा उत्तीर्ण की। सफल खिलाडियों में ईशान द्विवेदी, कौस्तुभ सिंह, दक्ष सिंह, सोहाना गुप्ता, राघव अग्रवाल, शिवोहम सोम, फरिहा जावेद, सयान अख्तर, शानवी श्रीवास्तव, अनमय श्रीवास्तव, अधियाग यादव, दिव्यांशी यादव, वैष्णवी सिंह, मौली, मिहिर गुप्ता, अर्चित सागर, अन्वित सागर, इवान वर्मा, तनिषी यादव, ओजस सिंह, अधिराज सिंह शामिल हैं।

इन खिलाड़ियों को रमेश पाल और 9 जूपिटर कराटे एकेडमी के संरक्षक शिहान अशोक पाल और पारुल सिंह वा कराटे कोच सेंसेई अखण्ड प्रताप सिंह ने बधाई दी।

'एकसाथ चुनाव से बढ़ेगी केंद्रीकृत तानाशाही'

एकजुट होकर इस अलोकतांत्रिक प्रस्ताव का विरोध करें सभी राजनीतिक दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिश के अनुसार देश में एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव का विरोध किया और कहा कि यह केंद्रीकृत तानाशाही राजनीतिक व्यवस्था की शुरुआत करेगा।

वामपंथी पार्टी के पोलित ब्यूरो ने एक बयान में सभी लोकतांत्रिक संगठनों और नागरिकों से एकजुट होकर इस अलोकतांत्रिक प्रस्ताव का विरोध करने की भी अपील की। माकपा ने दावा किया कि समिति की रिपोर्ट में संविधान और अन्य कानूनों में 18 संशोधन प्रस्तावित हैं और

यह संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली को कमजोर करने तथा केंद्र को और अधिक शक्तिशाली बनाने के समान होगा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च-स्तरीय समिति ने पहले कदम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की तथा इसके बाद 100 दिनों के भीतर एक साथ स्थानीय निकायों के चुनाव कराने की बृहस्पतिवार को सिफारिश की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी गई 18000 से ज्यादा पृष्ठों की रिपोर्ट में कोविंद की अगुवाई वाली समिति ने कहा कि एक साथ चुनाव कराए जाने से विकास प्रक्रिया और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा मिलेगा, लोकतांत्रिक परंपरा की नींव गहरी होगी और इंडिया जो कि भारत है की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद मिलेगी।

दुनिया की नंबर-1 शटलर जोड़ी सात्विक चिराग का सफर थमा

आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप के पुरुष युगल में हारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की नंबर एक जोड़ी आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप के पुरुष युगल प्री क्वार्टरफाइनल से बाहर हो गयी। भारतीय जोड़ी को प्री क्वार्टरफाइनल में इंडोनेशिया के मोहम्मद शोहिल फिकरी और बागास मौलाना की जोड़ी से 16-21 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। इंडोनेशियाई जोड़ी यहां 2022 में चैम्पियन रही थी।

टॉप वरीय भारतीय जोड़ी ने पिछले हफ्ते फ्रेंच ओपन खिताब जीता था लेकिन यहां तीसरी वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वियों के दबाव से नहीं निपट सकी और एक घंटे से ज्यादा समय तक चले मुकाबले में हारकर बाहर हो गयी। तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी भी महिला युगल के राउंड 16 से बाहर हो गयी। उन्हें चीन की झांग शु जियान और जेंग यु से 21-11 11-21 11-21 से पराजय झेलनी पड़ी। शुक्रवार को भारत के लक्ष्य सेन का सामना पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के ली जि जिया से होगा।

सिंधू वर्ल्ड नंबर वन यंग से सातवीं बार हारी

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में महिला एकल के दूसरे दौर में अपनी प्रतिद्वंदी कोरिया की एन से यंग से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू मैच के दौरान एक समय अच्छी लय में दिख रही थीं और उन्होंने शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी के खिलाफ कड़ा संघर्ष किया, लेकिन वह अपनी गलतियों पर अंकुश लगाने में असफल रहीं और 42 मिनट तक चले मुकाबले को 19-21, 11-21 से हार गईं। पिछले साल महिला एकल विश्व चैम्पियनशिप जीतने वाली कोरिया की पहली खिलाड़ी बनी यंग के खिलाफ सिंधू की यह लगातार सातवीं हार है। सिंधू ने हाल ही में चोट से वापसी की है जबकि कोरिया की खिलाड़ी ने इस सत्र में मलेशिया और फ्रांस ओपन के खिताब अपने नाम किये हैं।

सीएए में संशोधन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे ओवैसी

» कानून पर रोक लगाने की मांग की, केंद्र सरकार पर जमकर बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीए), 2019 और नियम, 2024 के कार्यान्वयन पर रोक लगाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। केंद्र ने 11 मार्च को नियमों को अधिसूचित करते हुए नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 लागू किया।

31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के बिना दस्तावेज वाले गैर-मुस्लिम प्रवासियों के लिए तेजी से नागरिकता प्रदान करने के लिए संसद द्वारा विवादास्पद कानून पारित किए जाने के कई साल बाद। ओवैसी ने कहा कि कार्यवाही के लंबित रहने के दौरान नागरिकता अधिनियम, 1955 (क्योंकि यह नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा संशोधित है) की धारा 6 बी के तहत नागरिकता का दर्जा देने की मांग करने वाले किसी भी आवेदन पर सरकार द्वारा विचार या कार्रवाई नहीं की जाएगी।

हैदराबाद के लोग लोस चुनाव में बीजेपी को हराएंगे

ओवैसी ने दावा किया कि सीएए को एनपीआर (राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर) और एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) के साथ जोड़कर देखा जाना चाहिए। यह कहते हुए कि वह पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदुओं और सिखों को नागरिकता देने के खिलाफ नहीं हैं, उन्होंने कहा, आप यह कानून इसलिए बना रहे हैं, क्योंकि जब आप भविष्य में देश में एनपीआर और एनआरसी बनाएंगे, तो आप 17 बनाना चाहते हैं। भारत में करोड़ों मुसलमान राज्यविहीन हैं उन्होंने आरोप लगाया। ओवैसी ने कहा, हैदराबाद के लोग सीएए के खिलाफ वोट करेंगे और चुनाव में बीजेपी को हराएंगे। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने नागरिकता संशोधन अधिनियम को लागू करने के लिए केंद्र की आलोचना की।

देश निर्माण के लिए लगातार काम करता रहूंगा: पीएम मोदी

» पीएम ने देश को संबोधित करते हुए लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के अलार्म से 1 दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए एक पत्र जारी किया है। इस वजह के जरिए उन्होंने देशवासियों से कहा कि हमारे और आपके संबंध को एक दशक का समय पूरा हो चुका है। मेरा विश्वास है कि आपका समर्थन हमें हमेशा मिलता रहेगा।

मोदी की गारंटी है की देश निर्माण के लिए हम लगातार काम करते रहेंगे। पत्र की शुरुआत में उन्होंने लिखा मेरे प्रिय पारिवारिक सदस्यों, हमारा साथ पूरा होने में एक दशक हो गया है। मुझे 140 करोड़ देशवासियों का समर्थन मिला है जो मुझे लगातार काम करने के लिए प्रेरित करता है। बीते 10 वर्षों के दौरान हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि लोगों के जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं। ये परिवर्तन गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के जीवन में आए है, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। उन्होंने आगे लिखा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिए पक्के मकान, सभी के लिए बिजली, पानी और एलपीजी की उपलब्धता। आयुष्मान भारत के जरिए फ्री मेडिकल ट्रीटमेंट, किसानों को वित्तीय सहायता, मातृ वंदना योजना से महिलाओं को सहायता दी गई है।

मैं मोदी का परिवार हूं... का चुनावी कैंपेन लॉन्च

लोकसभा चुनाव की तारीखों के एलान से पहले पीएम मोदी ने मैं मोदी का परिवार हूं कैंपेन लॉन्च किया है। उन्होंने इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर कया है। पीएम मोदी ने एक्स पर वीडियो शेयर कर लिखा- मेरा भारत मेरा परिवार। बता दें कि इस कैंपेन वीडियो में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का भी जिक्र किया गया है।

'सुप्रीम कोर्ट करवाए चुनावी बॉण्ड घोटाले की जांच'

» कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष की मांग, मोदी सरकार पर तीखा प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि चुनावी बॉण्ड घोटाले की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में स्वतंत्र जांच होना जरूरी है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में सरकार का मतलब जितना चंदा, उतना हक है। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को चुनावी बॉण्ड के आंकड़े सार्वजनिक कर दिये।

उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 12 मार्च को आयोग के साथ आंकड़े साझा किये थे। उन्होंने दावा किया, इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कंपनियों ने भारी मात्रा में चंदा दिया है। उदाहरण के लिए मेघा इंजीनियरिंग, तेलंगाना में कलेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना पर काम कर रही थी। मेघा ने मेडीगड्डा बैराज के कुछ हिस्से का निर्माण किया, जो इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसा हुआ कि बैराज डूबने लगा, जिससे करदाताओं का एक लाख करोड़ रुपए बर्बाद हो गए। उनके मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में इस तरह बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं के खराब होने कई उदाहरण देखे गए हैं, ऐसा ही एक और उदाहरण गुजरात का मोरबी है। रमेश ने कहा, कंपनियों ने चुनावी बॉण्ड खरीदने के बाद पर्यावरण संबंधी मंजूरी प्राप्त किया। चुनावी बॉण्ड से कितनी वन भूमि नष्ट हुई? भाजपा का खजाना भरा रखने का बोझ किन आदिवासी समुदायों को उठाना पड़ा है?

'लोस चुनाव के साथ हो जम्मू-कश्मीर विस चुनाव'

बोले- एक राष्ट्र-एक चुनाव का सूत्र जम्मू कश्मीर से किया जाए लागू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव आयोग का काम लोकतंत्र कायम करना है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने एक राष्ट्र-एक चुनाव पर रिपोर्ट पेश की है। इस सूत्र को जम्मू कश्मीर से लागू किया जाना चाहिए। लोकसभा के साथ ही प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराए जाने चाहिए। उमर ने कहा, चुनाव आयोग का काम लोकतंत्र कायम करने का है। उन्हें लोकतंत्र कायम करने में रोल अदा करना चाहिए। जम्मू-कश्मीर को चुनाव देखे हुए करीब 10 साल हो गए हैं। रामनाथ कोविंद ने एक राष्ट्र एक चुनाव पर रिपोर्ट पेश की है। क्यों इसकी शुरुआत जम्मू-कश्मीर से नहीं कर सकते, जो ढिंढोरा पीटा जा रहा है ये लोगों को धोखा देने के लिए है तो नहीं है? यहां लोकतंत्र कायम करने का ये सुनहरा मौका है।

'मुफ्ती मोहम्मद सईद के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए हम प्रतिबद्ध'

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मुफ्ती मोहम्मद सईद के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए पीडीपी प्रतिबद्ध है। पार्टी कार्यालय में एक समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि मुफ्ती मोहम्मद सईद अपने राजनीतिक जीवन के दौरान ज्यादातर धारा के खिलाफ गए क्योंकि उनके फैसले लोगों के हितों से प्रेरित थे, न कि सत्ता की इच्छा से। गरिमापूर्ण और समृद्ध जम्मू-कश्मीर के लिए मुफ्ती मोहम्मद सईद के दृष्टिकोण को पूरा करना पार्टी की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि युवा हमारी पार्टी की मुख्य संपत्ति हैं और नीति निर्माण और राजनीतिक निर्णय में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा युवाओं को उन मुद्दों पर काम करने के लिए प्रोत्साहित करती है जो उनसे संबंधित हैं, जिससे उन्हें पार्टी की जन-समर्थक नीतियों पर जोर देने में मदद मिलेगी ताकि उन्हें बुनियादी स्तर पर अपनाया जा सके।

यासीन मलिक की पार्टी पर पांच और साल रहेगा प्रतिबंध

कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक के संगठन पर प्रतिबंध बढ़ा दिया गया है। नरेंद्र मोदी सरकार ने एलान किया कि 'जम्मू और कश्मीर लिबरेशन फ्रंट' पांच साल के लिए एक गैरकानूनी संगठन रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रतिबंधित संगठन जम्मू-कश्मीर में आतंक और अलगाववाद को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों में शामिल है।मोदी सरकार ने जेल में बंद आतंकवादी यासीन मलिक के नेतृत्व वाले जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट, जम्मू कश्मीर पीपुल्स फ्रीडम लीग और जम्मू-कश्मीर पीपुल्स लीग के चार धड़ों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

पूर्व आईएएस नवनीत सहगल बने प्रसार भारती के चेयरमैन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी के पूर्व आईएएस अधिकारी नवनीत सहगल जी को प्रसार भारती का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने उनके नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। सहगल का यह कार्यकाल 3 वर्ष का होगा। बसपा, सपा और भाजपा सरकार में अहम भूमिका में रहे नवनीत सहगल पिछले साल 35 वर्ष की लंबी सेवा के बाद रिटायर हुए थे। 1988 बैच के आईएएस अधिकारी नवनीत सहगल बसपा सरकार में मुख्यमंत्री मायावती के सचिव रहे। तब पंचम तल पर वे सबसे प्रभावशाली अधिकारियों में से एक माने जाते थे।

हालांकि, वर्ष 2012 में सपा सरकार बनने पर उन्हें हटाकर प्रतीक्षा में डाल दिया गया। लेकिन, कुछ समय बाद ही उन्हें दोबारा तैनाती दे दी गई। दो वर्ष ही पूरे हुए थे वह 2014 में मुख्य धारा में लौटे और प्रमुख सचिव सूचना बना दिए गए। तत्कालीन सीएम अखिलेश यादव के सबसे भरोसेमंद अधिकारियों में से वह एक रहे। उनके पास सूचना विभाग के अलावा यूपीडा की भी जिम्मेदारी रही। यूपीडा के सीईओ रहते उन्होंने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के निर्माण की जिम्मेदारी संभाली।

सीएम योगी की सभा में जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त, 20 से ज्यादा लोग घायल

» करीब एक हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। रामपुर जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा में शामिल होने आ रही यात्रियों से भरी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसमें बीस से ज्यादा लोग जख्मी हो गए। सभी को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया है। सूचना के बाद बड़े स्तर पर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शनिवार दोपहर बाद रामपुर में जनसभा प्रस्तावित है। वह करीब एक हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी सतर्क है। इससे पहले मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह व जिलाधिकारी के साथ ही शहर विधायक ने भी कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। मुख्यमंत्री योगी दोपहर 1.25 बजे पुलिस लाइन के मैदान में हेलीकाप्टर से आएंगे। इसके बाद डेढ़ बजे फिजिकल कालेज के मैदान पर जनसभा को संबोधित करेंगे। वह सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वितों को प्रमाण पत्र वितरित करेंगे। इसके अतिरिक्त करीब एक हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे। शुक्रवार की शाम को मुख्यमंत्री के आगमन का कार्यक्रम प्रशासन को मिल गया है। शहर विधायक आकाश सक्सेना ने कहा कि मुख्यमंत्री रामपुर आकर जनता को करोड़ों की विकास कार्यों की सौगात देंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।